दैनिक जागरण - 1-10-13.

गन्ना मूल्य घटाना चाहती हैं मिलें

हरवीर सिंह

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में सांप्रदायिक दंगों के चलते पैदा हुए संकट से जूझ रही अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली समाजवादी पार्टी की सरकार के लिए एक नया संकट खड़ा होने जा रहा है। यह संकट एक अक्तूबर, 2013 से शुरू हो रहे पेराई सीजन के दौरान गन्ना मूल्य के मुद्दे पर पैदा हो सकता है, क्योंकि राज्य की चीनी मिलें गन्ना मूल्य में 40 रुपये प्रति क्विंटल की

यूपी में गन्ने की कीमत में प्रति क्विंटल 40 रुपये की कमी करना चाहती हैं चीनी मिलें

कमी चाहती हैं। निजी चीनी मिलें आगामी पेराई सीजन (अक्तूबर, 2013 से सितंबर, 2014) में किसानों को 240 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गन्ना मूल्य का भुगतान करना चाहती हैं। सरकार द्वारा गन्ना मूल्य तय किये जाने के पहले चीनी मिलों ने गन्ना क्षेत्र रिजर्वेशन के लिए आवेदन करने के इंकार कर दिया है। यही वजह है कि अगस्त के अंतिम सप्ताह तक आवेदन करने वाली मिलों ने अभी तक गन्ना क्षेत्रफल रिजर्वेशन के लिए आवेदन नहीं कि या है। वहीं दूसरी ओर पड़ोसी राज्य हरियाणा ने विभिन्न किस्मों के लिए गन्ना मूल्य को बढ़ाकर 290 रुपये, 295 रुपये और 301 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है। इस स्थिति में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गन्ना मूल्य घटाने से गन्ना किसानों का आंदोलन खड़ा हो सकता है। पिछले सीजन का 2,800 करोड़ रुपये का बकाया भुगतान करा पाने में नाकाम प्रदेश सरकार के लिए यह स्थिति एक नई राजनीतिक मुसीबत लेकर आ सकती है।

नए सीजन के लिए 280 रुपये प्रति क्विंटल का दाम नहीं चुका पाने के बारे में चीनी मिलों ने राज्य सरकार को पिछले माह एक पत्र लिखकर बता दिया था।